शुक्रवार
23 सितम्बर 2022

पृष्ठ 6

एक फिल्म निर्देशित करना चाहता हूं: पंकज त्रिपाठी

पृष्ठ 8

सवालः प्रेमचन्द और गोविंद सिंह का अब क्या होगा ?

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 225
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

पाषाण के भीतर भी मधुर स्रोत होते हैं, उसमें मदिरा नहीं शीतल जल की धारा बहती है।
– जयशंकर प्रसाद

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

ऋतु खंडूरी का बड़ा फैसला

विधानसभा में हुई 228 बैक डोर भर्तियां निरस्त

विशेष संवाददाता

देहरादून। विधानसभा में बैक डोर भर्तियों पर गठित एक्सपर्ट कमेटी की जांच रिपोर्ट मिलने के तुरंत बाद आज विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी ने बड़ा सख्त निर्णय लेते हुए 2016 के बाद विधानसभा में हुई सभी 228 नियुक्तियों को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है तथा विधानसभा सचिव को भी सस्पेंड कर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि विधानसभा अध्यक्ष को कल ही जांच समिति द्वारा अपनी रिपोर्ट सौंपी गई थी और आज सुबह वह विधानसभा पहुंची और पत्रकार वार्ता में इस आशय की जानकारी उनके द्वारा दी गई। उन्होंने कहा कि जांच समिति द्वारा राज्य में हुई सभी भर्तियों की जांच की गई थी उन्होंने कहा कि 2011 से पूर्व की गई सभी भर्तियां बहाल रहेगी जबकि 2016 के बाद हुई सभी नियुक्तियों को उन्होंने नियम विरुद्ध बताते हुए कहा कि इन भर्तियों में नियमों का पालन नहीं किया गया। इनमें कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में विधानसभा अध्यक्ष गोविंद

❑विधानसभा सचिव भी किए गए सस्पेंड

सिंह कुंजवाल के कार्यकाल में हुई 156 और भाजपा के पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में प्रेमचंद अग्रवाल के समय में हुई 72 भर्तियां शामिल है।

विधानसभा अध्यक्ष द्वारा इन सभी 228 नियुक्तियों को निरस्त करने और विधानसभा सचिव को सस्पेंड करने का प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है। पत्रकारों से वार्ता के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि 2011 से पूर्व हुई नियुक्तियों की भी जांच की गई है। उनका निरीक्षण किया जाएगा उन्हें कहां की इन नियुक्तियों का शासन से अनुमोदन लिया गया था। उन्होंने बताया कि 2016 में हुई 150 और 2016 में हुई 6 तथा 2021 में हुई 72 तदर्थ भर्तियों में नियमों का पालन नहीं किया गया है इन सभी नियुक्तियों के लिए न तो कोई विज्ञप्ति जारी की गई और न कोई परीक्षा ली गई। उन्होंने कहा कि कुल 228 भर्तियों को रद्द करने का फैसला लिया गया है।

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

विधानसभा अध्यक्ष को घेरा और नारेबाजी की

देहरादून। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी द्वारा विधानसभा में हुई बैक डोर भर्तियों पर आज जैसे ही अपना फैसला सुनाया गया और इसकी खबर सार्वजनिक हुई। इस बैक डोर भर्ती के जरिए नौकरी पाने वाले कर्मचारियों में आक्रोश देखा गया। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी का घेराव किया और उनके खिलाफ नारेबाजी भी की। लेकिन विधानसभा में पहले से तैनात भारी पुलिस बल द्वारा इन्हें विधानसभा से बाहर कर दिया गया और ऋतु खंडूरी को सुरक्षा घेरे में बाहर निकाला गया।

अंकिता भण्डारी हत्याकाण्ड में पुलिस ने रिजार्ट स्वामी सहित तीन लोगों को किया गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। अंकिता भण्डारी हत्याकाण्ड में पुलिस ने रिजार्ट मालिक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया। जिन्होंने बताया कि उन्होंने युवती को चीला नहर में फेंक दिया था। देर सांय तक शव की तलाश में चीला नहर में रेस्क्यू अभियान चलाया।

पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम श्रीकोट पट्टी नादलस्यूं निवासी अंकिता भण्डारी लक्ष्मण झूला क्षेत्र के वनंतरा रिजार्ट में काम करती थी जोकि 18 सितम्बर से लापता हो गयी थी। जिसकी रिपोर्ट राजस्व पुलिस चौकी उदयपुर तल्ला में गुमशुदगी दर्ज की गयी थी। गत दिवस मामला लक्ष्मण झूला थाने में भेजा गया। एसएसपी पौडी यशवंत सिंह चौहान ने मामले के खुलासे के लिए अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार के नेतृत्व में थाना लक्ष्मणझूला व थाना देवप्रयाग की टीम का गठन कर मामले का खुलासा करने के निर्देश दिये। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए सीसीटीवी कैमरे व सर्विलास के माध्यम से जांच शुरू की। पुलिस ने जांच के दौरान

❑देर सांय तक चीला नहर में शव की तलाश में चलाया अभियान

रिजार्ट के कर्मचारियों से पूछताछ की तो पता चला कि 18 सितम्बर को अंकिता रिजार्ट मालिक पुलकित आर्य, मैनेजर सौरभ भास्कर व अंकित उर्फ पुलकित गुप्ता के साथ गयी थी लेकिन रात्रि में यह तीनों लोग वापस आ गये थे इनके साथ अंकिता नहीं आयी थी। कर्मचारियों ने पुलिस को बताया कि घटना वाले दिन अंकिता काफी परेशान थी। जिसके बाद पुलिस ने रिजार्ट मालिक पुलकित आर्य पुत्र डा0 विनोद आर्य निवासी आर्यनगर ज्वालापुर हरिद्वार, अंकित उर्फ पुलकित

◀◀ शेष पृष्ठ 2 पर

पंजाब पुलिस ने आईएसआई समर्थित आतंकी मॉड्यूल का किया भंडाफोड़

नई दिल्ली । पंजाब पुलिस ने शुक्रवार को कनाडा स्थित लखबीर लांडा और पाकिस्तान स्थित हरविंदर रिंडा द्वारा नियंत्रित आईएसआई समर्थित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। यह जानकारी पंजाब के डीजीपी ने एक ट्वीट के जरिए दी। वहीं मॉड्यूल के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया और एक एके-56 राइफल, दो मैगजीन और 90 जिंदा कारतूस जब्त किए गए हैं। वहीं आज ही दूसरी तरफ पंजाब को दहलाने की फिराक में शामिल तीन संदिग्ध्ध आर्तकियों को तनरतारन पुलिस ने धरदबोचा है। वहीं पुलिस पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। दरअसल पड़ोसी देश पाकिस्तान ने पंजाब का माहौल बिगाड़ने के लिए धार्मिक और सियासी नेताओं को टारगेट बनाने की साजिश रची है। इसके लिए ड्रोन के माध्यम से पंजाब में आईईडी, पिस्टल और मादक पदार्थों की खेपें भेजी हैं। साथ ही धमाके करने के लिए कई आर्तकियों को तैयार किया है। सीआईए स्टाफ तरनतारन की टीम ने आईएसआई से जुड़े तीन से पांच आर्तकियों को आई 20 कार पर जाते शुक्रवार को दबोच लिया। इनसे बारीकी से पूछताछ की जा रही है। इन आर्तकियों में दमनजीत सिंह काहलों निवासी तलवंडी खुम्मन (जेंतीपुर) बटाला, परमिंदर सिंह पिंकी निवासी गांव हरशिया (बटाला) गुरदासपुर और मुकेश कुमार मेशी निवासी गांव जांबा खेड़ी (थाना नीलखेड़ी) जिला करनाल हरियाणा शामिल हैं।

गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग से छोटे वाहनों की आवाजाही शुरु

संवाददाता

उत्तरकाशी। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग हेल्गूगाड से छोटे वाहनों की आवाजाही शुरू कर दी गयी है।

आज यहां गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग हेल्गूगाड में छोटे वाहनों के लिये कड़ी मशक्कत के बाद सुचारु कर दिया गया है। बड़े वाहनों को सुरक्षित रूप से यातायात हेतु निकाला जा रहा है। स्वयं जिलाधिकारी अभिषेक रुहेला व पुलिस अधीक्षक उक्त स्थान पर मौजूद है। उन्होंने उक्त मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर जायजा लिया। जिलाधिकारी ने बीआरओ, पुलिस के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मार्ग में पहाड़ी से रूक-रूक कर पत्थर गिर रहे है उक्त स्थान पर सुरक्षा की दृष्टि से वाहनों को सावधानीपूर्वक निकाला जाये।

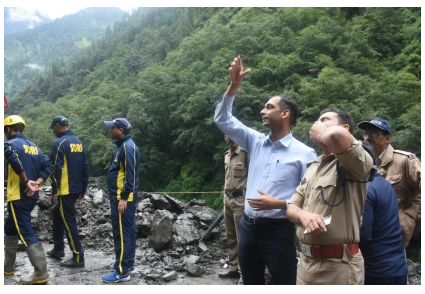

उन्होंने मौके पर राजस्व, पुलिस,खाद्य आपूर्ति आपदा प्रबंधन आदि सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि सुरक्षित स्थानों पर ठहराये गये यात्रियों को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न उत्पन हो इस हेतु पेयजल, लंच पैक, आदि व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखा जाये। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी भटवाड़ी को निर्देश दिये उक्त मार्ग से जब तक सभी वाहन सुरक्षित रूप से यातायात हेतु बहाल नहीं कर लिये जाते तब तक उक्त मार्ग की लगातार मानीटरिंग सुनिश्चित की जाये। बता दें कि विभिन्न स्थानों पर ठहराये गये यात्रियों को खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा पेयजल, भोजन, लंच पैक आदि वितरित किये जा रहे है।

जिलाधिकारी ने कहा कि मार्ग के दोनों तरफ से सभी यात्रियों के वाहनों सुरक्षित व सावधानी पूर्वक निकाला जा रहा है। जिलाधिकारी ने मार्गों में ठहरे यात्रियों से वार्ता कर उनकी कुशलक्षेम पूछी तथा उनकी सुरक्षित यात्रा के लिए उनको शुभकामनाएं दी।

इस दौरान उप जिलाधिकारी भटवाड़ी चतर सिंह चौहान,कमांडर बीआरओ सहित अन्य रेखीय विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

दून वैली मेल

संपादकीय

शिकंजे में पीएफआई

राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी एनआईए और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा बीते कल पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के ठिकानों पर जो कड़ी कार्रवाई की गई है वह इसलिए महत्वपूर्ण नहीं है क्योंकि यह सुरक्षा एजेंसियों द्वारा किसी संगठन के खिलाफ की जाने वाली सबसे बड़ी कार्रवाई है अपितु इसलिए इसका महत्व है क्योंकि यह सामाजिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए की गई अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है। भले ही अब इस बड़ी कार्यवाही के बाद पीएफआई से जुड़े उनके कार्यकर्ताओ ने आज केरल बंदी का ऐलान कर रखा हो और हिंसक वारदातों पर उतारू हो लेकिन उनकी किसी भी अराजक गतिविधियों से निपटने के लिए केरल हाईकोर्ट से लेकर केरल पुलिस पूरी तरह चौकस है। सिमी पर लगाए गए प्रतिबंध के बाद अस्तित्व में आए इस संगठन पीएफआई का उद्देश्य भले ही अल्पसंख्यक गरीबों के कल्याण और शिक्षित बनाने के लिए किया गया हो लेकिन यह संगठन अपने गठन के बाद से ही सरकार के कामों का विरोध करने और उग्र हिंसक आंदोलनों के जरिए समाज में अराजकता और धार्मिक कट्टरता को बढ़ावा देना ही रहा है। बात चाहे सीएए के विरोध प्रदर्शनों की हो या फिर भाजपा प्रवक्ता नुपुर शर्मा द्वारा दिए गए बयान और उस पर आने वाली प्रतिक्रियाओं व हिंसा की वारदातों की अथवा हाथरस में दलित युवती से सामूहिक बलात्कार की इन तमाम घटनाओं को लेकर जो विरोध प्रदर्शन हुए हैं उनमें पर्दे के पीछे पीएफआई की भूमिका ही सामने आती रही है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 2012 में तत्कालीन केरल की कांग्रेसी सरकार द्वारा हाईकोर्ट में हलफनामा देते हुए कहा गया था कि पीएफआई प्रतिबंधित संगठन स्टूडेंट ऑफ इस्लामिक मूवमेंट (सिमी) का ही नया रूप है। सरकार ने यह भी कहा था कि 27 हत्याओं के मामले में पीएफआई का सीधा कनेक्शन है। पीएफआई पर देश में कट्टरवाद धार्मिक एजेंडा चलाने और अराजकता और हिंसा फैलाने के आरोप अगर लगते रहे हैं तो वह बेवजह नहीं है। दिल्ली हिंसा से लेकर केरल में हुई हत्याओं व हिजाब विवाद तक जो भी ऐसे मामले अब तक देश भर में सामने आए हैं उनमें पीएफआई की भूमिका हमेशा संदेह के दायरे में रही है। रही बात वर्तमान समय में की गई एनआईए और ईडी की कार्रवाई की तो यह कोई एक घटना या एक दिन की तैयारी की परिणिति नहीं है। लंबे समय से पीएफआई के खिलाफ बड़े ऑपरेशन की तैयारी थी देश के 11 राज्यों में 100 से अधिक ठिकानों पर की गई इस छापेमारी में 106 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। केंद्र सरकार और जांच एजेंसियां पुख्ता सबूतों के आधार पर ही आगे बढ़ रही हैं। हो सकता है कि यह छापेमारी पीएफआई पर प्रतिबंध तक भी शीघ्र पहुंच जाए लेकिन आतंकी गतिविधियों में संलिप्तता का आरोप किसी पर भी बेवजह भी नहीं लगना चाहिए एजेंसियों को इस कार्रवाई में इस बात की सतर्कता जरूर बरतनी चाहिए कि किसी बेगुनाह को सजा न मिले लेकिन कोई गुनहगार छूटना भी नहीं चाहिए।

सतत् विकास लक्ष्यों की 7वीं वर्षगांठ पर चलाया हस्ताक्षर अभियान

नगर संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में सतत् विकास लक्ष्यों की 7वीं वर्षगांठ के अवसर पर सतत् विकास लक्ष्य हस्ताक्षर अभियान का शुभारम्भ किया एवं एस.डी.जी से संबंधित वीडियो का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 2030 तक इन 17 सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए विभागों को रोडमैप के हिसाब से निरंतर आगे बढ़ना होगा। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए जन भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। जन सहयोग एवं सामाजिक संस्थाओं एवं विभिन्न संस्थानों का भी पूरा सहयोग लिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय संतुलन के साथ समावेशी विकास जरूरी है। उन्होंने कहा कि सतत् विकास लक्ष्यों में उत्तराखण्ड की रैंकिंग में सुधार हुआ है, लेकिन प्रदेश को प्रथम स्थान पर लाने के लिए और प्रयासों की जरूरत है। 2018 में उत्तराखण्ड सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में 10वें स्थान पर था, जबकि अभी राज्य चौथे स्थान पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड के पास प्राकृतिक संपदाओं का भण्डार है। इन प्राकृतिक संपदाओं का बेहतर तरीके से सदुपयोग करना होगा। उद्योगों के क्षेत्र में भी उत्तराखण्ड में अपार संभावनाएं हैं।

सतत् विकास लक्ष्य 2030 तक गरीबी के सभी रूपों को समाप्त करने के लिए एक साहसिक एवं सार्वभौमिक समझौता है जो सबके लिए एक समान, न्यायपूर्ण और सुरक्षित विश्व की रचना करेगा। इसके लिए 17 सतत विकास लक्ष्य रखे गये हैं। भुखमरी समाप्त करना, खाद्य सुरक्षा और बेहतर पोषण हासिल करना तथा सतत कृषि को बढ़ावा देना। स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करना और सभी के लिए आजीवन तंदुरुस्ती को बढ़ावा देना। समावेशी और न्यायसंगत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना और सभी के लिए आजीवन शिक्षा-प्राप्ति के अवसरों को बढ़ावा देना। लैंगिक समानता हासिल करना और सभी महिलाओं और बालिकाओं का सशक्तिकरण करना। सभी के लिए जल और स्वच्छता की उपलब्धता और सतत प्रबंधन सुनिश्चित करना। सभी के लिए किफायती, भरोसेमंद, सतत और आधुनिक ऊर्जा की उपलब्धता सुनिश्चित करना। सभी के लिए सतत, समावेशी और संधारणीय आर्थिक विकास, पूर्ण और लाभकारी रोजगार और उचित कार्य को बढ़ावा देना। समुत्थानशील अवसंरचना का निर्माण करना, समावेशी और संधारणीय औद्योगीकरण को बढ़ावा देना और नवोन्मेष को प्रोत्साहित करना। राष्ट्रों के अंदर और उनके बीच असमानता को कम करना। शहरों और मानव बस्तियों को समावेशी, सुरक्षित, समुत्थानशील और संधारणीय बनाना। सतत उपभोग और उत्पादन पैटर्न सुनिश्चित करना। जलवायु परिवर्तन और इसके प्रभावों से निपटने के लिए तात्कालिक कार्रवाई करना। सतत विकास के लिए महासागरों, समुद्रों और समुद्रीय संसाधनों का संरक्षण करना और इनका संधारणीय तरीके से उपयोग करना । स्थलीय पारिस्थिकी-तंत्रों का संरक्षण और पुनरुद्धार करना और इनके सतत उपयोग को बढ़ावा देना, वनों का सतत तरीके से प्रबंधन करना, मरुस्थल-रोधी उपाय करना, भूमि अवक्रमण को रोकना और प्रतिवर्तित करना और जैव-विविधता की हानि को रोकना । सतत विकास के लिए शांतिपूर्ण और समावेशी सोसाइटियों को बढ़ावा देना, सभी को न्याय उपलब्ध कराना तथा सभी स्तरों पर कारगर जवाबदेह और समावेशी संस्थाओं का निर्माण करना एवं कार्यान्वयन के उपायों का सुदृढ़ीकरण करना और सतत विकास के लिए वैश्विक भागीदारी का पुनरुद्धार करना शामिल है। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, सचिव आर.मीनाक्षी सुदंरम, अरविन्द सिंह ह्यांकी, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, एडिशन सीईओ सीपीपीजीजी डॉ. मनोज पंत उपस्थित थे।

गर्भवती महिलाओं की गोद भराई रस्म कार्यक्रम सम्पन्न

देहरादून (नसं)। बालावाला में पोषण माह के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें पार्षद प्रशांत खरोला क्षेत्रीय सुपरवाइजर अनुबाला नौटियाल, साधना शर्मा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ती साहीकाय तथा लगभग 50 महिलाओं ने प्रतिभाग किया। आंगनबाड़ी केंद्र में गोद भराई, अन्नप्राशन, महालक्ष्मी कीट, का वितरण किया गया। सुपरवाइजर अनुबाला नौटियाल, द्वारा विभागीय योजनाओं व पोषक के विषय में बताया गया। इस मौके पर साधना शर्मा द्वारा व्यक्तिगत स्वच्छता के विषय में जानकारी दी गई। पार्षद प्रशांत खरोला द्वारा गर्भवती महिलाओं को पोस्टिक आहार एवं कार्य के महत्व पर बताया गया, कार्यक्रम को आंगनबाड़ी कार्यकर्ती गीता पांडे, मनीषा, पुष्पा, सरिता, सीमा, रेखा, शकुंतला, सिमरन, साहिकाओ ने प्रतिभाग किया।

अंकिता भण्डारी हत्याकाण्ड में पुलिस..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

गुप्ता पुत्र राजेन्द्र कुमार गुप्ता निवासी दयानंद नगरी ज्वालापुर हरिद्वार व सौरभ भास्कर पुत्र शक्ति भास्कर निवासी सूरजगर ज्वालापुर को गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ की। पूछताछ में उन्होंने बताया कि घटना वाले दिन पुलकित व अंकिता रिजार्ट में थे तथा दोनों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया था जिसके बाद वह उसको लेकर ऋषिकेश के लिए रिजार्ट से निकले थे। तीनों अलग-अलग वाहनों में नहर के किनारे पहुंचे जहां पर उन्होंने शराब पी थी। उन्होंने पुलिस को बताया कि जब वह शराब पी रहे थे उस समय भी पुलकित व अंकिता के बीच विवाद होने लगा कि अंकिता उनकी बातें अपने साथियों को बताती है तथा उनको बदनाम करती थी कि वह उसको कस्टमर के साथ सोने के लिए कहते हैं। जिसके बाद उनकी अंकिता से भिडंत हो गयी तब अंकिता ने उनको धमकी दी कि उनके रिजार्ट की सच्चाई लोगों को बता देगी। विवाद के दौरान अंकिता ने पुलकित का फोन नहर में फेंक दिया तथा उनके साथ हाथापाई करनी शुरू कर दी। इसी दौरान उन्होंने उसको नहर में धक्का दे दिया और वह नहर में डुब गयी। जिसके बाद वह वापस रिजार्ट मे आ गये और उसके बाद पुलकित व अंकित हरिद्वार चले गये। अगले दिन किसी को शक ना हो तो पुलकित ने राजस्व चौकी पहुंचकर उसकी गुमशुदगी दर्ज करा दी थी। पुलिस ने तीनों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर शव की तलाश में चीला नहर में अभियान चलाया गया लेकिन देर सांय तक उसका शव बरामद नहीं हुआ था।

बिमारी के चलते धीरेन्द्र प्रताप वापस लोटे

संवाददाता

देहरादून। हरिद्वार पंचायत चुनाव में प्रचार करने के लिए पहुंचे उत्तराखण्ड कांग्रेस के उपाध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप ने बिमारी के चलते अपना दौरा रद्द कर अस्पताल पहुंचे।

आज यहां पिछले काफी समय से अस्वस्थता से जूझ रहे उत्तराखंड कांग्रेस उपाध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप हरिद्वार जनपद का दौरा बीच छोड़कर वापस लौट गए। यह जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस सचिव हाजी राव मुन्ना ने बताया कि सारी रात पेट दर्द के चलते अंतत: उन्हें दिल्ली के गंगाराम अस्पताल मे इलाज कराने हेतु लौटना पड़ा। उल्लेखनीय है धीरेंद्र प्रताप काफी समय से पेनक्रियास से जुड़ी गंभीर बीमारी पेनक्रियाटिस से पीड़ित है परंतु कांग्रेस अध्यक्ष करण मेहरा के निर्देश पर अस्वस्थ होने के बावजूद भी जिला पंचायत चुनाव में पार्टी का परचम लहराने हरिद्वार और झबरेड़ा क्षेत्र का दौरा करने यहां पहुंच गए थे। परंतु दुर्भाग्यवश बीमारी ने उन्हें तंग कर दिया और बीच रास्ते इलाज हेतु गंगाराम अस्पताल दिल्ली लौटना पड़ा। इस मौके पर उनके साथ उत्तर प्रदेश कांग्रेश अनुसूचित जाति विभाग के महामंत्री जितेंद्र गौड़ भी मौजूद थे।

ते स्याम देव वरुण ते मित्र सूरिभि: सह।

इषं स्वश्च धीमहि।।

(ऋग्वेद ७-६६-९)

हे परमेश्वर ! हम सदैव आपके प्रिय रहें। हम विद्वानों की संगत में रहें। हमें बुद्धि प्राप्त हो और उत्तम कर्म करने की इच्छा हो, जिससे हम दिव्यता का बल और आनंद प्राप्त कर सकें।

O God ! May we always be dear to you. We should be in the company of scholars. May we reach the wisdom and desire to do good deeds to win the strength and joy of divinity.

(Rig Veda 7-66-9)

पुलिस ने भू-माफिया चिन्हित कर लगायी गुण्डा एक्ट

संवाददाता

देहरादून। जमीनों की खरीद फरोख्त में फर्जीवाडा करने वाले व्यक्ति के खिलाफ पुलिस ने गुण्डा अधिनियम के तहत कार्यवाही की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एसएसपी दलीप सिंह कुवंर ने सभी थाना प्रभारियों को जमीन की खरीद फरोख्त में धोखाधडी करने व जमीन कब्जाने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्यवाही के निर्देश दिये। जिसके बाद हर्रावाला चौकी प्रभारी ने दिवाकर नैनवाल पुत्र केशवानन्द नैनवाल निवासी शमशेर गढ को भूमि की खरीद फरोख्त में धोखाधडी करने व जमीनों पर कब्जा करने के मामले में उक्त व्यक्ति के खिलाफ डोईवाला व रायपुर में मुकदमें दर्ज है कि रिपोर्ट डोईवाला कोतवाल को भेजी। डोईवाला कोतवाल राजेश शाह ने दिवाकर नैनवाल को गुण्डा अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुए न्यायालय में रिपोर्ट भेज दी है।

बैकडोर नियुक्तियों में संलिप्त मंत्रियों पर हो कड़ी कार्यवाही: लालचन्द

नगर संवाददाता

विधानसभा में 2000 के उपरान्त हुई सभी भर्तियों की हो सीबीआई जांच

देहरादून। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष लाल चंद शर्मा ने उत्तराखण्ड विधानसभा अध्यक्ष द्वारा 2016 के उपरान्त विधानसभा में हुई भर्तियों को निरस्त करने के निर्णय पर बयान जारी करते हुए कहा कि विधानसभा अध्यक्ष का निर्णय कांग्रेस द्वारा नियुक्तियों में लगाये गये भाई-भतीजावाद एवं धांधलियों के आरोपों की पुष्टि करता है।

उन्होंने भाजपा सरकारों पर केन्द्रीय जांच ऐजेंसियों के मामले में दोहरा मापदण्ड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार ईडी और सीबीआई जैसी केन्द्रीय जांच ऐजेंसियों का दुरूपयोग केवल उन राज्यों में कर रही है जहां पर विपक्षी दलों की सरकारें हैं, जिन राज्यों में भाजपा की सरकारे हैं वहां भ्रष्टाचार साबित होने के बावजूद भी केन्द्र की भाजपा सरकार मौन साधे हुए है।

महानगर कांग्रेस अध्यक्ष लाल चन्द शर्मा ने यह भी कहा कि यही हाल सहकारिता विभाग में हुए भर्ती घोटाले का भी है जहां पर सीधे-सीधे विभागीय मंत्री और अधिकारियों की संलिप्तता सामने आ रही है परन्तु सरकार अपने मंत्रिमण्डल के सहयोगियों को बचाने का काम कर रही है। विधानसभा में भर्ती घोटाले तथा सहकारिता में हुए भर्ती घोटालों के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों जो अब भाजपा सरकार में वरिष्ठ मंत्री हैं, उनपर भी कार्रवाई की जानी चाहिए तथा उन्हें मंत्रिमण्डल से बर्खास्त किया जाना चाहिए।

ठेली पर शराब पिलाने पर गिरफ्तार, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चाउमीन की ठेली पर शराब पिलाने के मामले में ठेली वाले को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस ने गश्त के दौरान सिंगल मण्डी तिराहे के पास एक चाउमीन की ठेली पर लोगों को शराब पीते हुए देखा तो ठेली वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दो अध्धे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम राजकुमार पुत्र केवलराम निवासी सिंगल मण्डी बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहसपुर थाना पुलिस ने तिपरपुर माजरी के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 22 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम गालिब हुसैन पुत्र जाहिद हुसैन निवासी माजरी बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मारपीट में दो नामजद

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांधी रोड निवासी साकिब खान ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने घर के बाहर खडा था तभी वहां पर इमरान व गुडडू वहां पर आये और उसके साथ गाली गलौच करनी शुरू कर दी। उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मोबाइल व नगदी लूट में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने मोबाइल व नगदी लूट के मामले में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोविन्द गढ निवासी अजर बिहारी ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह बाजार से घर की तरफ आ रहा था तभी बिन्दाल पुल के पास दो युवकों ने उसको रोककर उसके हाथ से मोबाइल व जेब से 2200 रूपये लूट लिये और वहां से भाग गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ज्वैलर्स की दुकान में चोरी करने वाली दो शातिर महिलाएं गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। ज्वैलर्स की दुकान से दो जोड़ी पाजेब चोरी कर फरार होने वाली दो शातिर महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी महिलाओं ने पुलिस से बचने के लिए अपने नाम तक बदल दिये थे।

जानकारी के अनुसार बीते 21 सितम्बर को सुधीर कुमार पुत्र स्व. रामगोपाल अग्रवाल निवासी मनोकामना मन्दिर चौराहा द्वारा थाना भगवानपुर में तहरीर देकर बताया गया था कि मेरी मनोजकामना मन्दिर के पास ज्वैलर्स की दुकान है। आज दो महिलाऐं मेरे दुकान पर पाजेब खरीदने आयी और कहा कि हमे पाजेब दिखाओं जैसे ही मैं उन महिलाओं को पाजेब दिखाने लगा उसी समय मेरे दुकान में और ग्राहक आये मैं उनको सामान देने लगा तो दोनो महिलाएं मेरी दुकान से पाजेब चोरी कर ले गयी। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जांच में पता चला कि उक्त चोरी में शामिल दोनो महिलाएं मनोकामना मन्दिर सिकरौढ़ा रोड भगवानपुर में देखी गयी है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान पर दबिश देकर तरन्नुम पत्नी कुरवान निवासी देहरादून रोड हुसैन बस्ती माहिपुरा थाना जनकपुरी जिला सहारनपुर व सलमा पत्नी फैजान निवासी देहरादून रोड हुसैन बस्ती माहिपुरा थाना जनकपुरी जिला सहारनपुर को हिरासत में ले लिया। जिनके कब्जे से पुलिस ने चुरायी गयी दोनो पाजेब बरामद कर ली है। पूछताछ में गिरफ्तार महिलाओं द्वारा बताया गया कि हम मूल रूप से देहरादून रोड हुसैन बस्ती माहिपुरा थाना जनकपुरी जिला सहारनपुर की रहने वाली है। हम दोनो बाजार में सामान खरीदने के लिए साथ जाती है। हम आपस में पहले से ही प्लान बनाकर रखती है कि हम दोनो में से एक दुकानदार को अपनी बातो में उलझाकर रखेगी और दुसरी मौका मिलने पर दुकान से सामान चुराकर वहां से निकल जाती थी। बताया कि हम दोनो ने भगवानपुर में आकर एक ज्वैलर्स की दुकान में पाजेब चोरी करके वहां से चली गयी थी। पुलिस के पकड़े जाने के डर से हमने अपना नाम रुकसाना पत्नी जाहिद नि. मानकमऊ थाना कुतुबशेर सहारनपुर व शबनम पत्नी मन्नवर नि. मानकमऊ थाना कुतुबशेर सहारनपुर बताया था, परन्तु हमारे परिजनो के द्वारा जो हमारा नाम आपको बताया गया है वही हमारा असली नाम है। बहरहाल पुलिस ने गिरफ्तार दोनो महिलाओं को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

पंचायत चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों को लघु व्यापारियों ने दिया समर्थन

संवाददाता

हरिद्वार। फुटपाथ के रेडी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों ने पंचायत चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों को अपना समर्थन दिया।

आज यहां उत्तराखंड प्रदेश भर में फुटपाथ के रेडी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों को संगठित कर उनके अधिकारों के प्रति 20 वर्षों से संघर्ष कर रहे लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने जनपद हरिद्वार में ग्रामीण क्षेत्र में हो रहे पंचायत चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के समर्पित प्रत्याशियों को रेडी पटरी के लघु व्यापारियों की ओर से खुले समर्थन की घोषणा की। प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने लघु व्यापार एसोसिएशन की ओर से 11 सदस्य समिति का भी गठन किया। समिति के सदस्य सभी भारतीय जनता पार्टी के समर्थित प्रत्याशियों के पक्ष में सभी लघु व्यापारियों से अपील कर 26 सितंबर को होने वाले मतदान में ज्यादा से ज्यादा भारतीय जनता पार्टी को वोट की अपील के साथ बंपर मतों से जीता कर हरिद्वार जिला पंचायत अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी का ही बने इसके लिए जन जागरण अभियान चला कर केंद्र और राज्य सरकार द्वारा रेडी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों के लिए चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार भी करेंगे। उन्होंने कहा युवा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भ्रष्टाचार मुक्त रोजगार युक्त महा योजनाएं बनाकर उत्तराखंड राज्य को आगे बढ़ाने के लिए सच्ची निष्ठा के साथ कार्य कर रहे हैं। संजय चोपड़ा ने कहा पंचायत चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का बोर्ड बना कर ग्रामीण क्षेत्रों के रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को न्याय पंचायतों के माध्यम से रोजगार के अवसर प्रदान कर राज्य सरकार के संरक्षण में मजबूत किया जाएगा। 11 सदस्यों की समिति में नियुक्त किए गए संयोजक विनोद कुमार,अमित कुमार ,तस्लीम अहमद, राजेंद्र पाल, मनोज कुमार मंडल ,जय भगवान सिंह, सूरज पवार ,बाबू खान, ओम प्रकाश रावत ,विजेंद्र चौधरी, वीरेंद्र कुमार आदि प्रमुख रूप से शामिल किए गए।

मतदान कार्मिकों का किया तृतीय रेण्डेमाइजेशन

संवाददाता

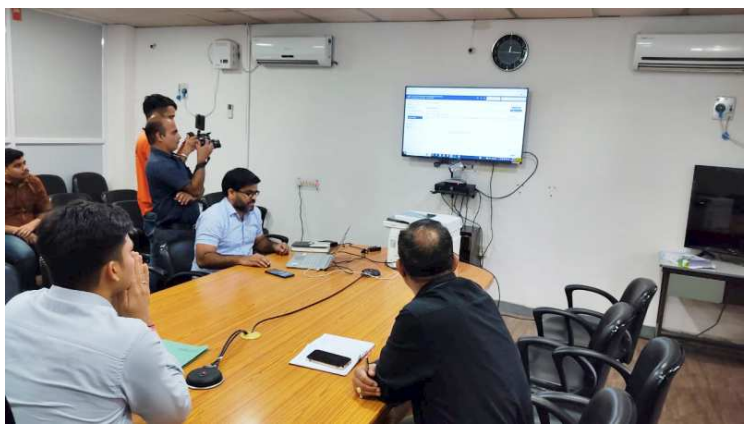

हरिद्वार। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतीक जैन की उपस्थिति में कलक्ट्रेट स्थित वीसी कक्ष में त्रि-स्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2022 को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के क्रम में मतदान कार्मिकों का तृतीय रेण्डेमाइजेशन किया गया।

आज यहां जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी विनय शंकर पाण्डेय के निर्देर्शों के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतीक जैन की उपस्थिति में कलक्ट्रेट स्थित वीसी कक्ष में त्रि-स्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2022 को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के क्रम में मतदान कार्मिकों का तृतीय रेण्डेमाइजेशन किया गया। इस मौके पर कार्मिकों का तृतीय रेण्डामाइजेशन करने के पश्चात सभी तैनात कार्मिकों की सूची का प्रिण्ट आउट निकाला गया, जिनका अवलोकन उपस्थित अधिकारियों एवं सम्बन्धितों द्वारा किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी(वित्त एवं राजस्व)/नोडल अधिकारी/कार्मिक व्यवस्था/प्रशिक्षण, त्रि-स्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2022 बीर सिंह बुदियाल, मुख्य शिक्षा अधिकारी श्री के0के0 गुप्ता, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी यशपाल सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित थे।

उत्तराखण्ड शासन

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सरलीकरण, समाधान
निस्तारीकरण और संतुष्टि

विकल्प रहित
संकल्प

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

एक ही लक्ष्य-एक ही सपना, सर्वश्रेष्ठ बने उत्तराखण्ड अपना

- समान नागरिक संहिता पर बढ़े कदम, विशेषज्ञ समिति ने की कई बैठकें, आम जन से सुझाव आमंत्रित।
- प्रदेशवासियों की अपेक्षानुसार भू कानून बनाने की ओर अग्रसर, समिति ने दी रिपोर्ट, भूमि के दुरूपयोग को रोकने पर विशेष ध्यान।
- भर्ती में धांधली करने वालों पर शिकंजा कसा। भर्ती प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता से
- कुमाऊं के पौराणिक मंदिरों के लिए मानसखण्ड मंदिर माला मिशन की रूपरेखा बनाई जा रही है।
- चार धाम यात्रा मार्ग में बेहतर अवस्थापना विकास और सरकार के कुशल यात्रा प्रबंधन से इस वर्ष 35 लाख से अधिक श्रद्धालु चार धाम के दर्शन कर चुके हैं। लगभग 3 करोड़ कावड़ यात्री कावड़ यात्रा पर आए।

- भर्ती में धांधली करने वालों पर शिकंजा कसा। भर्ती प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता से कराने की कार्य योजना तैयार, जल्द रिक्त पदों पर भर्ती शुरू की जा रही है।
- सरलीकरण, समाधान, निस्तारीकरण और संतुष्टि पर विशेष ध्यान। जनता से जुड़ी प्रक्रियाओं को सरलतम किया जा रहा है।
- वर्ष 2025 तक उत्तराखण्ड को प्रत्येक क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिए सभी विभागों द्वारा कार्ययोजना तैयार की जा रही है।
- सुशासन के लिए अपणि सरकार पोर्टल, ई-ऑफिस, सीएम हेल्पलाइन 1905 के साथ ही भ्रष्टाचार की शिकायत के लिए 1064 शुरू।
- केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री के साथ ही टनकपुर-पिथौरागढ़ की सड़क कनेक्टीवीटी में सुधार के लिए चारधाम ऑल वेदर रोड़ परियोजना पर तेजी से काम चल रहा है।
- ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल परियोजना पर तेजी से कार्य चल रहा है। टनकपुर बागेश्वर और डोईवाला से गंगोत्री-यमुनोत्री रेल लाइन के सर्वे के साथ ही हरिद्वार-देहरादून रेल लाइन के दोहरीकरण पर भारत सरकार द्वारा सहमति।
- उत्तराखण्ड पहला राज्य जहां उड़ान योजना में हेली सर्विस प्रारंभ। एयर कनेक्टिविटी को मजबूती मिली।
- उत्तराखण्ड के दूरस्थ क्षेत्रों में संचार कनेक्टिविटी के लिए भारत सरकार द्वारा 1202 मोबाइल टावर की स्वीकृति।
- पर्वतीय क्षेत्रों में रोपवे नेटवर्क निर्माण के लिए पर्वतमाला परियोजना प्रारंभ।
- होम स्टे योजना से पर्यटन के विकास के साथ ही युवाओं को रोजगार मिल रहा है।
- प्रदेश में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत बाल वाटिकाओं की शुरूआत।
- श्री केदारनाथ धाम के भव्य पुनर्निर्माण के साथ श्री बद्रीनाथ धाम के लिए भी मास्टर प्लान।

लगभग 3 करोड़ कावड़ यात्री कावड़ यात्रा पर आए।

- गरीब परिवार को साल में मिलेंगे तीन गैस सिलेंडर मुफ्त। बजट प्रावधान किया गया।
- ट्रैफिक की समस्या को दूर करने के लिए मल्टीस्टोरी पार्किंग, केविटी, टनल व सर्फेस पार्किंग के लिए काम शुरू।
- मुख्यमंत्री बालाश्रय योजना में आपदा, महामारी एवं दुर्घटना से अनाथ बच्चों की स्कूली शिक्षा की व्यवस्था।
- मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना प्रारंभ। प्रदेश के 3900 खिलाड़ियों के लिए छात्रवृत्ति की व्यवस्था।
- आंगनवाड़ी, आशा कार्यकत्रियों के मानदेय में वृद्धि। राज्य आंदोलनकारियों की पेंशन के साथ ही वीरता पदक प्राप्त सैनिकों की सम्मान राशि में बढ़ोतरी।
- निःशुल्क जांच योजना में 207 प्रकार की पैथोलॉजिकल जांचों की निःशुल्क व्यवस्था।
- आयुष्मान योजना में 48 लाख 42 हजार से अधिक कार्डधारक, 5 लाख 65 हजार से अधिक मरीजों का मुफ्त उपचार, 978 करोड़ रुपये से अधिक का व्यय किया गया।
- किसानों को तीन लाख और महिला स्वयं सहायता समूहों को पांच लाख रुपये तक का ब्याज रहित ऋण।
- 3900 जैविक क्लस्टरों पर काम शुरू, गौ सदनों की स्थापना के लिए बजट प्रावधान 6 गुना करते हुए 15 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई।
- फार्म मशीनरी बैंक में 80 फीसदी सब्सिडी की व्यवस्था।
- वोकल फॉर लोकल पर आधारित 'एक जनपद दो उत्पाद' योजना शुरू। स्थानीय उत्पादों की जिओ टैगिंग।
- ऊधमसिंह नगर में एम्स ऋषिकेश के सैटेलाइट सेंटर को मंजूरी।

दून वैली मेल
देहरादून, 23 सितम्बर 2022
www.dunvalleymail.com

विपक्ष के सामने कुआं और खाई

अजीत द्विवेदी

अगले लोकसभा चुनाव की तैयारियों में लगी विपक्षी पार्टियां इस बुनियादी सवाल पर बंटी हैं कि उनका प्रधानमंत्री पद का दावेदार कौन होगा। कहने को कोई भी विपक्षी नेता अपने को दावेदार नहीं बता रहा है। लेकिन सबको पता है कि विपक्षी एकजुटता के सामने यह सबसे बड़ी चुनौती है। पार्टियों के बीच गठबंधन, सीटों का बंटवारा, साझा न्यूनतम कार्यक्रम आदि चीजें तय करने में कोई दिक्कत नहीं है क्योंकि सारी विपक्षी पार्टियां किसी न किसी समय एक साथ रह चुकी हैं। सबको एक-दूसरे की विचारधारा का पता है और सरकार चलाने के तौर-तरीकों से भी सब वाकिफ हैं। चुनाव लड़ने-लड़ाने की एक-दूसरे की क्षमता भी सबको पता है और किसी प्रादेशिक पार्टी को दूसरे राज्य में जाकर लड़ने की जरूरत नहीं है। इसलिए सीट बंटवारे की समस्या भी नहीं है। असली समस्या यह है कि नरेंद्र मोदी को चुनौती देने वाला चेहरा कौन होगा? कोई चेहरा होगा भी या नहीं?

तभी विपक्षी पार्टियां इस सवाल को टाल रही हैं। पटना में के चंद्रशेखर राव ने यह कहते हुए इस सवाल का जवाब टाला कि यह बाद में तय होगा तो दिल्ली में नीतीश कुमार ने इस सवाल को टालते हुए कहा कि वे प्रधानमंत्री पद के दावेदार नहीं हैं। तृणमूल कांग्रेस के नेता पहले कई बार ऐलान कर चुके हैं कि ममता बनर्जी के लिए अब दिल्ली दूर नहीं है लेकिन अब उनकी पार्टी भी मुंह बंद करके बैठी है। शरद पवार पहले ही उम्र और सेहत के आधार पर अपने को अलग कर चुके हैं।

एक अरविंद केजरीवाल जरूर अपनी डफली बजा रहे हैं और उनकी पार्टी दावा कर रही है कि 2024 का चुनाव मोदी बनाम केजरीवाल होकर रहेगा लेकिन उनकी हकीकत सबको पता है। संभव है कि मौजूदा लोकसभा की तरह अगली लोकसभा में भी उनके पास एक भी सांसद न हो। अगर उनकी पार्टी बेहतर प्रदर्शन करे तब भी उनके लोकसभा सांसदों की संख्या दहाई में पहुंचने की संभावना लगभग शून्य है। इसलिए उनके ढिंढोरा पीटने का कोई मतलब नहीं है।

अब सवाल है कि विपक्षी पार्टियों क्यों इस सवाल को लेकर दुविधा में हैं और उनके सामने क्या विकल्प हैं? यह भी सवाल है कि विपक्ष के लिए बेहतर क्या होगा- पीएम पद का दावेदार पेश करना या बिना दावेदार पेश किए चुनाव लड़ना? इसका जवाब आसान नहीं है। इसमें एक तरफ कुआं है तो दूसरी तरफ खाई है। पहले इस विकल्प पर विचार करें कि विपक्ष बिना दावेदार पेश किए लड़ता है तो क्या होगा? इस संभावना को देखते हुए भाजपा के आईटी सेल का प्रचार पहले ही शुरू हो गया है। सोशल मीडिया में ऐसी पोस्ट आने लगी है कि अगर विपक्षी पार्टियों की सरकार बनी तो हफ्ते के सातों दिन सात नेता बतौर प्रधानमंत्री काम करेंगे। एक दिन नीतीश कुमार तो दूसरे दिन ममता बनर्जी, तीसरे दिन शरद पवार, चौथे दिन अरविंद केजरीवाल आदि आदि। बिना दावेदार पेश किए लड़ने पर दूसरा प्रचार यह होगा कि विपक्ष के पास मोदी से मुकाबले का कोई नेता नहीं है। तब अकेले मोदी दावेदार होंगे और इसमें कोई संदेह नहीं है कि उनका चेहरा अब भी सबसे ज्यादा वोट आकर्षित करने वाला चेहरा है।

अगर विपक्ष दूसरा विकल्प चुनता है यानी दावेदार पेश करके लड़ने का फैसला करता है तो सबसे बड़ा सवाल है कि वह चेहरा कौन होगा? क्या विपक्ष के पास मोदी की तरह अखिल भारतीय पहचान और अपील वाला कोई चेहरा है? विपक्ष के हर नेता की सीमाएं हैं। नीतीश कुमार का चेहरा विपक्ष को बिहार और झारखंड के अलावा कहीं और वोट नहीं दिला सकता है। वे चेहरा होंगे तो पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी को या महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और शरद पवार को अतिरिक्त वोट नहीं दिला सकेंगे। इसी तरह ममता बनर्जी चेहरा होंगी तो वे बंगाल से बाहर किसी दूसरे राज्य में अतिरिक्त वोट नहीं दिला सकेंगी। इस तरह की सीमाएं हर प्रादेशिक नेता की हैं। जहां तक राहुल गांधी की बात है तो पिछले आठ-दस साल के सुनियोजित प्रचार से उनकी छवि एक अगंभीर और कम बुद्धि वाले नेता की बना दी गई है। तभी इस रणनीति में ज्यादा खतरे हैं। जैसे सबसे पहले तो चेहरा पेश होते ही मोदी के साथ उसकी तुलना होगी। राजनीतिक और प्रशासनिक क्षमता के अलावा दूसरे कई पहलुओं से यह तुलना होगी। ध्यान रहे पिछले आठ-दस साल में सोशल मीडिया में मोदी की ऐसी छवि गढ़ी गई है कि कोई भी नेता उनका मुकाबला नहीं कर सकता है। उनकी ईमानदारी, सादगी, देशभक्ति, बहादुरी आदि के ऐसे ऐसे किस्से जनता के दिमाग में बैठाए गए हैं कि उनके बरक्स दूसरा कोई भी नेता बहुत छोटा प्रतीत होगा।

दूसरा खतरा यह है कि प्रादेशिक पार्टियों की अस्मिता की राजनीति नहीं चल पाएगी। ध्यान रहे ज्यादातर प्रादेशिक पार्टियां अस्मिता की राजनीति करती हैं। ममता बनर्जी बांग्ला अस्मिता की प्रतिनिधि नेता हैं तो उद्धव ठाकरे और शरद पवार मराठा अस्मिता की राजनीति करने वाले नेता हैं। स्टालिन द्रविड अस्मिता का प्रतिनिधित्व करते हैं तो के चंद्रशेखर राव तेलुगू प्राइड और देवगौड़ा परिवार कन्नड़ अस्मिता की राजनीति करने वाले हैं। पहले बिहारी अस्मिता नाम की कोई चीज नहीं होती थी लेकिन सोशल मीडिया के जमाने में अब यह भी एक मुद्दा है।

ऊपर से नीतीश कुमार ने खुद बिहारी उप राष्ट्रीयता को हवा दी है। ऐसे में अगर किसी एक राज्य का नेता विपक्ष का साझा दावेदार होता है तो दूसरे राज्यों में अस्मिता की राजनीति बिखर जाएगी। नीतीश कुमार के नाम पर ममता बनर्जी बांग्ला अस्मिता का दांव नहीं खेल सकती हैं। अगर उनका लक्ष्य लोकसभा की सारी या अधिकतम सीटें जीतने का है तो यह तभी संभव होगा, जब वे पहला बांग्ला प्रधानमंत्री बनने का दांव खेलें। इसी तरह नीतीश कुमार को फायदा तब होगा, जब पहला बिहारी प्रधानमंत्री बनने की संभावना का प्रचार हो।

इस लिहाज से बिना दावेदार पेश किए लड़ने का विकल्प कम नुकसान वाला है। अगर विपक्ष कोई दावेदार नहीं पेश करता है तो हर राज्य में प्रादेशिक क्षत्रप पीएम पद का अघोषित दावेदार होगा। वह क्षेत्रीय, जातीय और भाषायी अस्मिता का मुद्दा बना सकता है। प्रधानमंत्री मोदी के हिंदू हृदय सम्राट होने की धारणा पर तभी चोट होगी, जब प्रादेशिक पार्टियां उनकी गुजराती अस्मिता को मुद्दा बनाएंगी और उसके बरक्स अपनी अस्मिता का दांव चलेंगी। हालांकि यह इतना सरल नहीं होगा। नरेंद्र मोदी ने पहले ही इस संभावना को भांप लिया था और उत्तर प्रदेश की वाराणसी सीट से चुनाव लड़ा। वे प्रधानमंत्री बनने के बाद भी गुजराती अस्मिता का राजनीतिक कार्ड इस्तेमाल करते हैं लेकिन साथ ही वे हिंदी पट्टी के लोगों के बीच पिछड़ी जाति और हिंदू पहचान का भी इस्तेमाल करते हैं। सो, अस्मिता की राजनीति करते समय विपक्षी पार्टियों को इसका ध्यान रखना होगा।

तभी दोनों विकल्पों में से बेहतर यह लगता है कि विपक्षी पार्टियां कोई चेहरा पेश न करें। सभी पार्टियां अपने अपने असर वाले राज्य में भाजपा को रोकने की राजनीति करें। जैसे 2004 के लोकसभा चुनाव में हुआ था। उस चुनाव में सपा को अपने इतिहास की सबसे ज्यादा 36 सीटें मिली थीं। राजद को अपने इतिहास की सबसे ज्यादा 25 सीटें मिली थीं और लेफ्ट पार्टियों ने भी अपने इतिहास का सबसे शानदार प्रदर्शन किया था और 60 सीटें जीती थीं। उसी तरह इस बार भी अगर विपक्षी पार्टियां तालमेल करती हैं और जिस राज्य में जिस पार्टी की ताकत है बाकी पार्टियां उस राज्य में उसका समर्थन करती हैं तो वह सबसे अच्छा विकल्प होगा। इसे एक लाइन में कहना हो तो कह सकते हैं कि एकजुट विपक्ष को विकेंद्रित राजनीतिक प्रयास करना चाहिए। यह भी नहीं दिखना चाहिए कि सब मिल कर मोदी को रोकने का प्रयास कर रहे हैं और यह भी नहीं होना चाहिए सब बिखरे हुए हों।

एक फिल्म निर्देशित करना चाहता हूं: पंकज त्रिपाठी

जाने-माने अभिनेता पंकज त्रिपाठी को कहानी सुनाना बहुत पसंद है और वह फिल्मों के निर्देशन में भी अब अपना हाथ आजमाना चाहते हैं। पंकज ने

कहा, मैं अभिनय की दुनिया में इसलिए आया हूं क्योंकि मुझे यह पसंद है। मैं बिहार के एक छोटे से गाँव से आता हूं, कहानियाँ सुनकर बड़ा हुआ हूँ। अब मुझे कहानियाँ सुनाने का भी शौक हो गया है। तो, अभिनय के अलावा, मैं एक फिल्म निर्देशित करना चाहता हूं। एक निर्माता भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, लेकिन यह निर्देशक है जिसके पास कहानी की दृष्टि होती है। अभिनेता पंकज त्रिपाठी कई फिल्मों का हिस्सा रहे हैं, लेकिन यह 2012 में अनुराग कश्यप की गैंग्स ऑफ वासेपुर थी, जिससे उनको सफलता मिली।

ऋचा चड्ढा 4 अक्टूबर को करेंगी अली फजल के साथ शादी

अभिनेत्री ऋचा चड्ढा 4 अक्टूबर को अभिनेता अली फजल के साथ शादी के बंधन में बंधने के लिए तैयार हैं। उनके आभूषण बीकानेर के एक 175 साल पुराने ज्वैलर परिवार तैयार करेगा। अभिनेत्री के करीबी सूत्र की माने तो खजांची परिवार ज्वैलर्स का एक सम्मानित परिवार है, जो अपने खास डिजाइन के लिए जाने जाते हैं और वे ऋचा के लिए सिग्नेचर पीस डिजाइन करेंगे। खजांची परिवार मोती चंद खजांची के वंशज हैं, जो राजस्थान के शुरूआती कला संग्रहकर्ताओं में से एक थ और उनके गहनों के संरक्षकों में बीकानेर का शाही परिवार भी शामिल है। ऋचा और अली, जो वास्तव में लंबे समय से डेटिंग कर रहे हैं, मूल रूप से अप्रैल 2020 में शादी करने वाले थे, लेकिन कोविड प्रतिबंधों के कारण, शादी को दो बार टाल दिया गया।

टीएचडीसी की एक्सप्लोसिव मैगजीन और एचसीसी का विस्फोटक सामग्री का वाहन सीज

कार्यालय संवाददाता

चमोली। संयुक्त मजिस्ट्रेट अभिनव शाह ने गुरुवार को टीएचडीसी पीपलकोटी परिसर और एसडीएम कुमकुम जोशी ने एचसीसी हेलंग साइट का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान क्षमता से अधिक विस्फोटक पदार्थों भण्डारण, अवैध लाइसेंस के साथ विस्फोटक पदार्थों के परिवहन में भारी अनियमितता समाने आयी है। इस सबंध में विस्तृत रिपोर्ट जिलाधिकारी हिमांशु खुराना को भेजी गई है।

संयुक्त मजिस्ट्रेट अभिनव शाह ने बताया कि टीएचडीसी पीपलकोटी के निरीक्षण के दौरान विस्फोटक पदार्थों के लाइसेंस के अनुसार नाइट्रेट मिक्स विस्फोटक की एक समय में अधिकतम क्षमता 8 हजार किलोग्राम है, जबकि कंपनी ने इससे अधिक 8075 किलोग्राम का भण्डार रखा है। विस्फोटक नियमों के अनुसार कंपनी में पंजिका नही बनाई गई। मैग्जीन का मुख्य गेट का दरवाजा खुला होने के अतिरिक्त गेट पर कोई सुरक्षा गार्ड नही मिला। मैगजीन के रखरखाव हेतु अग्नि शमन यंत्र भी मानक के अनुरूप नही पाए गए। जिससे भीषण अग्निकांड हो सकता है। लाइसेंस में डेक्टोरेटिगं फ्यूज के भण्डार की अनुमति नहीं होने बावजूद 600 डेक्टोरेटिगं प्यूज का भण्डार पाया गया। इस संबध में कंपनी के कार्मिकों द्वारा कोई दस्तावेज व स्पष्ट उत्तर नहीं मिला। टीएचडीसी पीपलकोटी परिसर में घोर अनियमितता मिलने पर कंपनी के अधिकारियों के समक्ष विस्फोटक मैगजीन को सीज किया गया।

वही दूसरी ओर एसडीएम जोशीमठ कुमकुम जोशी ने हेलंग में एचसीसी कंपनी के डैम साइट का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान साइट पर ब्लास्टिंग हेतु लाया गया वाहन मिला। वाहन के लाइसेंस की जांच करने पर लाइसेंस अवैध पाया गया। लाइसेंस की वैधता 31 मार्च 2020 तक थी। वाहन की जांच करने पर वाहन में 25 एमएम की तीन पेटी व 40 एमएम की 22 पेटी विस्फोटक सामग्री बरामद हुई। विस्फोटक सामग्री व सप्लाई के बारे में जांच करने पर सामने आया कि दस्तावेज में जहां से विस्फोटकों की सप्लाई दिखाई गई है वहां से कोई सप्लाई नही की गई है। नियमों के उलंघन विस्फोटक सामग्री के परिवहन में घोर अनियमितता मिलने पर साइट पर मिले वाहन को विस्फोटक सामग्री सहित सीज किया गयाा।

आंगनवाड़ी वर्कर्स की पीड़ा दूर करने में नाकाम मंत्री को दिखाएं बाहर का रास्ता:मोर्चा

संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी न मुख्यमंत्री से मांग करता है कि ऐसे गैर जिम्मेदार एवं अनुभवहीन मंत्री को बाहर का रास्ता दिखाएं।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष एवं जीएमवीएन के पूर्व उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग मंत्री श्रीमती रेखा द्वारा आंगनवाड़ी वर्कर्स की जायज मांगों की ओर ध्यान नहीं दिया जाता, जिस कारण छोटी-मोटी मांगों को लेकर आंगनवाड़ी वर्कर्स को आंदोलन का सहारा लेना पड़ता है। विभागीय मंत्री के इशारे पर आंदोलित वर्कर्स पर मुकदमा दर्ज कराया गया, जोकि इनकी मांगों को कुचलने जैसा है। नेगी ने कहा कि आंगनवाड़ी वर्कर्स को लगभग 2 वर्ष से भवन किराए नहीं मिला, जिस कारण भवन मालिक वर्कर्स पर दबाव डाले रहते हैं। इसी प्रकार मानदेय के लिए भी तीन- चार महीने तक इंतजार करना पड़ता है। टीएचआर का भुगतान भी कई माह से नहीं हुआ, जिस कारण व्यापारी दबाव बनाए हुए हैं। अगर समय पर इन वर्कर्स की मांग पूरी हो जाती तो वर्कर्स को आंदोलन नहीं करना पड़ता और न ही इनके कार्य में कोई बाधा आती, लेकिन विभाग की मंत्री का ध्यान सिर्फ अपने आर्थिक संसाधन मजबूत करने पर है। मोर्चा मुख्यमंत्री से मांग करता है कि ऐसे गैर जिम्मेदार एवं अनुभवहीन मंत्री को बाहर का रास्ता दिखाएं।

फोन पर जान से मारने की धमकी देने पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। फोन पर गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डाकपत्थर निवासी महिला ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि अज्ञात व्यक्ति के द्वारा फोन पर उसके पति के साथ गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

महिला से छेडछाड में दो नामजद

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने महिला के साथ छेडछाड करने के मामले में दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हरभजवाला निवासी महिला ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह लालपुल के पास खडी थी तभी वहां पर सहाबुददीन व युसूफ वहां पर आये और उसके साथ छेडछाड करने लगे उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

जमीन के नाम पर लाखों की धोखाधडी, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। जमीन के नाम पर लाखों रूपये की धोखाधडी में पुलिस ने एक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी निवासी प्रोफेसर विद्यासागर ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पहचान डोभाल वाला निवासी सुभाष सक्सेना से हुई। सुषाष सक्सेना ने उसको चकतुनवाला में एक जमीन दिखायी तथा उक्त भूमि को अपना बताया तथा उसको बेचने की बात कही। जिसके बाद सौदा तय होने पर उसने उसको नौ लाख रूपये पेशगी दे दिये। लेकिन बाद में ना तो उसने जमीन की रजिस्ट्री की और ना ही उसको रूपये वापस दिये। उसने जब अपने रूपये वापस मांगे तो उसने उसको जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

विधानसभा में हुई 228 बैक डोर भर्तियां..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा सचिव की भूमिका भी इन नियुक्तियों को लेकर संदिग्ध रही हैं इसकी जांच की जाएगी। जांच होने तक विध ानसभा सचिव मुकेश सिंगल को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड किया जाता है। उन्होंने कहा कि वह अभी तत्काल इन नियुक्तियों को रद्द करने और विधानसभा सचिव को सस्पेंड करने का प्रस्ताव शासन को भेज रही है।

47.11 करोड़ की राशि का सीधे आंगनबाड़ी कार्यकर्तियों के खातों में किया गया भुगतान

संवाददाता

देहरादून। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्य ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्तीयों के जुलाई-अगस्त माह के मानदेय 47.11 करोड़ (केन्द्रांश और राज्यांश दोनों)का पीएफएमएस के माध्यम से सीधे उनके खातों में भुगतान कर दिया गया है।

आज यहां यमुना कॉलोनी स्थित शासकीय आवास पर महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने आंगनबाड़ी कार्यकर्तीयों के जुलाई-अगस्त माह के मानदेय 47.11 करोड़ (केन्द्रांश और राज्यांश दोनों)का पीएफएमएस के माध्यम से सीधे उनके खातों में भुगतान किया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इससे प्रदेश में कार्यरत करीब 35 हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्तीयां लाभान्वित होंगी। महिला एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्तीयों से यह अपील भी की कि सभी कार्यकर्तीयां अपने मोबाइल नम्बर को अपने-अपने संबंधित बैंक एकाउंट से लिंक अवश्य करा लें जिससे की उन्हें अपने हर माह के मानदेय की जानकारी मैसेज के जरिये प्राप्त हो सके। कैबिनेट मंत्री नें कहा कि इस बाबत उन्होंने सभी जिला कार्यक्रम अधिकारियो /बाल विकास परियोजना अधि कारियो को निर्देशित किया है कि सभी लोग आंगनबाड़ी, मिनी आंगनबाड़ी और सहायिकाओं के बैंक खातों को उनके मोबाइल नंबर से लिंक कराएं जिससे कि भुगतान की जानकारी उन्हें प्राप्त हो सके साथ ही उन्होंने कहा कि विभाग की लगातार यह कोशिस रहती है कि हमारी आंगनबाड़ी बहनों को समय पर मानदेय मिले जिसके लिए हम लगातार प्रयासरत हैं और इसी कड़ी में हमने आज जुलाई व अगस्त माह के मानदेय का डीबीटी के माध्यम से आंगनबाड़ी कार्यकर्तीयों ,मिनी कार्यकर्तीयों और सहायिकाओं के खाते में यह राशि भेजने का कार्य किया है ।उन्होंने कहा कि विभाग और उनका हमेशा यह प्रयास रहता है कि हमारी आंगनबाड़ी बहनों को किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो इसके लिए वह लगातार कार्य कर रही हैं। इस अवसर पर महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग के सचिव हरीश चंद सेमवाल,उप निदेशक एसके सिंह जी,सीपीओ मोहित चौधरी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

गदेरे में बहे 2 युवक, एक का शव बरामद, अन्य की सर्चिंग जारी

संवाददाता

देहरादून। एसडीआरएफ ने गंगोत्री के पास गदेरे में बहे दो युवकों में से एक युवक का शव बरामद कर लिया है। दूसरे की तलाश में सर्चिग जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज पुलिस चौकी गंगोत्री द्वारा एसडीआरएफ को सूचित किया गया कि झाला गांव में देर रात्रि 02 नेपाली युवक काम से लौटते समय स्यागाड के पास गदेरा पार करते समय तेज बहाव की चपेट में आने से बह गए। उक्त सूचना प्राप्त होते ही एसडीआरएफ रेस्क्यू टीम ल घटनास्थल के लिए रवाना हुई।

एसडीआरएफ टीम द्वारा नदी में संभावित स्थानों पर गहन सर्चिंग करते हुए झाला व बगोड़ी गांव के बीच झाला पूल से 200 मीटर पहले बहे हुए 02 युवकों से से एक युवक का शव बरामद कर लिया गया।

एसडीआरएफ टीम द्वारा उक्त शव को बॉडी बैग के माध्यम से मुख्य मार्ग तक लाकर जिला पुलिस के सुपर्द किया गया जबकि अन्य युवक की सर्चिंग की जा रही है। मृतक की पहचान सन्तोष पुत्र जुद्र बहादुर, निवासी- ग्राम खुलाह, बाजूरा, नेपाल के रूप में हुई।

नयार नदी में बही महिला का शव एसडीआरएफ ने किया बरामद

संवाददाता

देहरादून। पूर्वी नयार नदी में बही महिला का शव एसडीआरएफ ने बरामद कर पुलिस को सौप दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 20 सितम्बर को पोस्ट ढालवाला एसडीआरएफ टीम को सूचना प्राप्त हुई थी कि एक बुजुर्ग महिला थलीसैण बैजरो में पूर्वी नयार नदी में बह गयी है, जिसे ढूंढने हेतु एसडीआरएफ टीम की आवश्यकता है। उक्त सूचना प्राप्त होते ही एसडीआरएफ विशेषज्ञ डीप डाइविंग टीम आरक्षी ओमप्रकाश के नेतृत्व में टीम रेस्क्यू उपकरणों के घटनास्थल पर पहुंची। एसडीआरएफ टीम द्वारा घटनास्थल पर पहुँचकर पूर्वी नयार नदी में सम्भावित स्थानों पर सर्च ऑपरेशन चलाया,एसडीआरएफ डीप डाइवर द्वारा कई स्थानों पर डाइविंग द्वारा भी सर्च किया गया। 22 सितम्बर की देर रात्रि तक एसडीआरएफ रेस्क्यू टीम द्वारा 03 दिन तक गहन सर्चिंग करते हुए डालमोट के पास नदी से उक्त महिला का शव नदी में ढूंढ लिया गया। शव अत्यधिक दुर्गम स्थान पर था जहाँ से मुख्य मार्ग तक आना भी एक बड़ी चुनौती था। एसडीआरएफ टीम द्वारा देर रात्रि अत्यधिक विषम परिस्थितियों में कड़ी मशक्कत करते हुए लगभग 5 किलोमीटर दुर्गम पैदल मार्ग व खड़ी चढ़ाई से होते हुए शव को स्ट्रेचर बोर्ड के माध्यम से मुख्य मार्ग कंदोला गांव तक पहुँचाकर जिला पुलिस के सुपुर्द किया गया। महिला की पहचान दिक्का देवी पत्नी गोविन्द निवासी रिखाड़, बैजरो जिला पौड़ी गढ़वाल के रूप में हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एक नजर

पिछले 24 घंटो में कोरोना संक्रमण के 5,383 नए मामले दर्ज

नई दिल्ली । भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 5,383 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 4,45,58,425 हो गई, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या 46,342 से घटकर 45,281 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से 20 और लोगों के दम तोड़ने के बाद मृतकों की कुल संख्या बढ़कर 5,28,449 पर पहुंच गई है। इन 20 मृतकों में वे आठ लोग भी शामिल हैं, जिनके नाम संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुन:मिलान करते हुए केरल ने वैश्विक महामारी से जान गंवाने वाले मरीजों की सूची में जोड़े हैं। आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोरोना वायरस संक्रमण के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 45,281 रह गई है, जो कुल मामलों का 0.10 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 1,061 की कमी दर्ज की गई है। वहीं, मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर बढ़कर 98.71 प्रतिशत हो गई है।

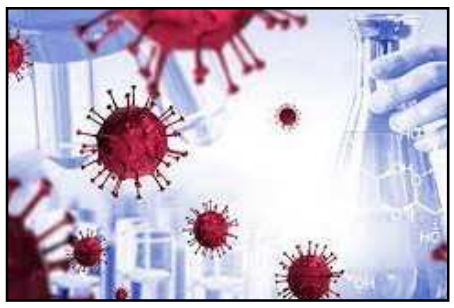

लेबनान से प्रवासियों को ले जा रही नाव सीरिया के पास डूबी

नई दिल्ली । लेबनान से प्रवासियों को ले जा रही एक नाव गुरुवार दोपहर बाद सीरिया के तट के पास पलट गई, जिससे कम से कम 34 लोगों की मौत हो गई। सीरियाई सरकार ने इसकी जानकारी दी है। सीरिया के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा, इस हादसे में अब तक 34 लोगों की जान चली गई है जबकि 20 लोगों का इलाज तरतूस में एक अस्पताल में चल रहा है। वहीं, बंदरगाहों के महानिदेशक समीर कुब्रुसली ने कहा कि सर्च ऑपरेशन जारी है। उन्होंने कहा कि यह घटना सबसे घातक घटनाओं में से एक है क्योंकि लेबनानी, सीरियाई और फिलिस्तीनियों की बढ़ती संख्या ने संकटग्रस्त लेबनान से समुद्र के रास्ते यूरोप भागने की कोशिश की है। यह तत्काल स्पष्ट नहीं हो पाया है कि नाव पर कितने लोग सवार थे और वे कहां जा रहे थे। वहीं, तरतूस के गवर्नर अब्दुलहलीम खलील ने कथित तौर पर अस्पताल में जीवित बचे लोगों से मुलाकात की। वहीं, सीरियाई परिवहन मंत्रालय ने जीवित बचे लोगों का हवाला देते हुए कहा कि नाव मंगलवार को लेबनान के उत्तरी मिनेह क्षेत्र से 120 से 150 लोगों के साथ रवाना हुई थी। लेबनान की आबादी 60 लाख है,

दिल्ली के नरेला में जूते की फैक्ट्री में लगी आग

नई दिल्ली । दिल्ली के नरेला इलाके में एक जूते की तीन मंजिला फैक्ट्री में आग लग गई। पुलिस ने बताया कि नरेला के जूते फैक्ट्री की आग बुझाने के लिए मौके पर दमकल की 8 गाड़ियां भेजी गईं। जूते की फैक्ट्री तीन मंजिला है। जानकारी के मुताबिक जूते की फैक्ट्री के पहले और दूसरे माले पर आग लगी है। हालांकि अभी तक किसी के भी घायल होने की कोई पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन वर्करों के फैक्ट्री के अंदर फंसे होने की आशंका जाताई जा रही है। इसे पहले सितंबर में ही चांदनी चौक स्थित कूचा नटवा इलाके में कपड़ा मार्केट में भीषण आग लग गई थी। 16 घंटे बाद दमकल की 50 गाड़ियों ने किसी तरह आग पर काबू पाया था। आंध्र प्रदेश के चित्तूर में एक फैक्ट्री में आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। बता दें कि फैक्ट्री में पेपर प्लेट का निर्माण किया जाता था। आग लगने की जानकारी के तुरंत बाद वहां पर पहुंची राहत और बचाव कार्य टीम अपने काम में जुट गई। सभी को वहां से निकाल लिया गया है, कुछ वर्करों को अस्पताल ले जाया गया। मरने वाले तीन लोगों में बाप-बेटे की जोड़ी शामिल है। मरने वालों की पहचान फैक्ट्री के मालिक 65 वर्षीय भास्कर और उनके 35 वर्षीय बेटे दिल्ली बाबू और एक 25 वर्षीय बालाजी के तौर पर हुई है।

सवालः प्रेमचन्द और गोविंद सिंह का अब क्या होगा?

विशेष संवाददाता

देहरादून। सीना ठोक कर अपने-अपने कार्यकाल की विधानसभा भर्तियों को संवैधानिक बताने वाले पूर्व स्पीकर प्रेमचंद्र अग्रवाल और गोविंद सिंह का अब क्या होगा? उनके कार्यकाल में हुई भर्तियों को अब विधानसभा अध्यक्ष द्वारा कराई गई जांच में तो नियम विरुद्ध सिद्ध कर ही दिया गया है साथ-साथ उन 228 लोगों की भी नौकरियों का जाना तो तय हो ही गया है। वहीं विधानसभा सचिव को भी सस्पेंड कर दिया गया है मगर गोविंद सिंह और प्रेमचंद्र अग्रवाल जिन्होंने यह नियुक्तियां की उनके खिलाफ शासन स्तर पर या पार्टी स्तर पर कोई कार्यवाही की जाएगी या इस मामले को बस यही इतिश्री कर दिया जाएगा?

इस जांच व कार्रवाई से पूर्व स्वयं को पाक साफ बताने वाले भाजपा और

❑सिर्फ नौकरी पाने वालों पर ही कार्रवाई क्यों, देने वालों पर क्यों नहीं?

कांग्रेस के यह नेता जिस दबंगई से यह कहते रहे हैं कि उन्होंने कोई भ्रष्टाचार नहीं किया है अगर अपने सगे संबंधियों को नौकरियां दे दी तो कौन सा पाप कर दिया उन नेताओं को जो वास्तव में इस पूरे मामले के लिए जिम्मेवार हैं क्या उनके खिलाफ कार्यवाही नहीं होनी चाहिए भले ही गोविंद सिंह कुंजवाल 2022 का विधानसभा चुनाव हारने के बाद अब विधायक भी न रहे हो लेकिन पूर्व स्पीकर प्रेमचंद्र अग्रवाल तो अभी धामी सरकार में वित्त मंत्री जैसे बड़े पद पर आसीन हैं। क्या धामी सरकार जो इस फैसले को पारदर्शिता के प्रति प्रतिबद्धता बता रही है उन्हें मंत्रिमंडल से बाहर का रास्ता दिखाएगी या फिर भाजपा उन्हें पार्टी से निलंबित करेगी? उनके ऊपर जो आरोप लगे हैं वह कोई कम गंभीर नहीं है। उससे भी ज्यादा गंभीर बात है उनका यह कहना कि हां मैंने भाजपा नेताओं के बच्चों को नौकरियां दी। क्या भाजपा की पारदर्शिता और सबका साथ सबका विकास यही सब करना है जो इस पूरे प्रकरण में सामने आया है। भले ही विधानसभा अध्यक्ष ने आज बड़ा फैसला सुनाया हो लेकिन अभी बहुत सारे सवाल हैं जिनका जवाब सरकार और भाजपा को देना होगा।

सड़क दुर्घटना में पुलिस जवान की मौत

हमारे संवाददाता

देहरादून। सड़क दुर्घटना में आज सुबह तेज रफ्तार के चलते चार कारों में टक्कर हो गयी। टक्कर इतनी भयावह थी कि बगल में चल रहे बाइक सवार एक पुलिसकर्मी की मौके पर ही मौत हो गयी। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

देहरादून में एक बार फिर रफ्तार का कहर देखने को मिला है, बताया जा रहा है कि बरसात व तेज रफ्तार के चलते 4 कारें आपस में भिड़ गयी। जानकारी के अनुसार थाना बिहारीगढ़ के दून नेशनल हाईवे पर मोहण्ड के समीप राजाजी नेशनल पार्क आफिस के सामने तेज रफ्तार के चलते चार कारे आपस में भिड़ गई। दुर्घटना इतनी जबरदस्त थी कि इस दौरान दो कारें बिल्कुल क्षतिग्रस्त हो गई। बताया जा रहा है कि गाड़ियों कि टक्कर की चपेट में बाइक सवार उत्तराखंड पुलिस के एक सिपाही भी आ गया, जिसकी मौके पर मौत हो गई। मृतक सिपाही का नाम जवाहर सिंह तोमर बताया जा रहा है जो मंगलौर कोतवाली में तैनात था और सी आर लिखवाने देहरादून जा रहा था।

सूचना पर मोहण्ड पुलिस चौकी टीम मौके पर पहुंची और सड़क से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने के प्रयास किया। घटना का कारण भारी वर्षा एवं तेज रफ्तार बताया जा रहा है।

महिला को भगाने में एक नामजद

संवाददाता

देहरादून। महिला को भगाने के मामले में पुलिस ने एक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुमानीवाला निवासी व्यक्ति ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि शिवाजी नगर बापू ग्राम निवासी प्रिंस पाण्डेय उसकी पत्नी को बहला फुसलाकर भगा ले गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पारदर्शिता की प्रतिबद्धता का प्रतीक है फैसलाः धामी

संवाददाता

देहरादून। विधानसभा में हुई बैक डोर भर्तियों पर विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी द्वारा लिए गए फैसले की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि उनके द्वारा विधानसभा अध्यक्ष से अनुरोध किया गया था कि न्याय संगत फैसला करें। उन्होंने वैसा ही किया है उनका कहना था कि विधानसभा अध्यक्ष का फैसला सरकार की पारदर्शिता के प्रति जो प्रतिबद्धता है उसका प्रतीक है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि भविष्य में होने वाली नियुक्तियों के उचित मापदंड तैयार करने में यह फैसला मील का पत्थर साबित होगा

निरस्तीकरण का फैसला अधूरा, जांच भी अधूरीः हरीश

देहरादून। विधानसभा अध्यक्ष के द्वारा विधानसभा की बैकडोर भर्तीयों पर लिए गये फैसले पर अपनी पहली प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता हरीश रावत ने कहा है कि यह निरस्तीकरण अधूरा है और यह जांच भी अधूरी है।

उन्होंने कहा कि सिर्फ गोविंद सिंह कुंजवाल और प्रेमचंद्र अग्रवाल की नियुक्तियों पर ही टारगेट किया गया है। उनका कहना है कि कार्यवाही निरस्तीकरण की ही क्यों रखी गई है अगर कुछ गलत हुआ है तो गलत करने वालों पर भी तो कुछ कार्रवाई की जानी चाहिए इसलिए यह निरस्तीकरण का फैसला और जांच दोनों अधूरी हैं।

मारपीट में तीन के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार श्यामपुर निवासी महिला ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि पडोस में रहने वाली प्रियंका सेठी, अरूष व अमन सरदार ने उसके साथ गाली गलौच करते हुए मारपीट की। जब आसपास के लोग बीच बचाव कराने पहुंचे तो वह उसको जान से मारने की धमकी देकर भाग गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।